हादसे और ट्रैफिक जाम से बचाव के लिए सेफ्टी को मिला नया मुकाम

महंगी कारों वाला फीचर अब किफायती कारों में आने से बढ़ी सुविधा

कार में एडीएस ने कम कर दिया सड़क पर जोखिम

कुछ समय पहले तक महंगी कारों की शान और सुरक्षा बढ़ाने वाला फीचर एडीएस (एडवांस ड्राइवर असिस्टेंट सिस्टम) जब से किफायती कारों अमेज जैसे वैरियंट में मिल रहा है, लोगों में इसे लेकर ललक बढ़ती जा रही है। डीलर नई कार खरीदते समय जहां एडीएस का विशेष उल्लेख करते हैं, वहीं जानकार ग्राहक किस वैरिएंट में एडीएस उपलब्ध है, पूछना नहीं चूकते। दरअसल, एडीएस एक ऐसी आधुनिक तकनीक है, जो वाहनों में सुरक्षा और सुविधा बढ़ाने के लिए बनाई गई है। यह सिस्टम विभिन्न सेंसर, कैमरों, और रडार का उपयोग करके ड्राइवर को सहायता प्रदान करता है और दुर्घटनाएं रोकने में मदद करने के साथ ड्राइविंग को आरामदेह बनाता है। एडीएस को इसी खूबी के कारण भारत की भीड़भाड़ वाली, लेन अनुशासन की कमी और अप्रत्याशित ट्रैफिक पैटर्न वाली सड़कों पर कारों में महत्वपूर्ण उपयोगी सेफ्टी फीचर माना जा रहा है।

दुर्घटना से बचने में करता है मदद

- एडीएस फीचर कार के आसपास का माहौल पता करके मानवीय त्रुटियां कम करते हुए दुर्घटनाओं को रोकता है। यह ड्राइवर को डिस्प्ले पर साउंड, वाइब्रेशन और सिग्नल के माध्यम से संकेत देकर दुर्घटना से बचने में मदद करता है। ट्रैफिक जाम में यह ब्रेक और एक्सीलेटर पेडल को लगातार समायोजित करने की आवश्यकता कम करके थकान और तनाव कम करने के साथ संभावित खतरों से बचाता है। इसके फॉरवर्ड कोलिजन वार्निंग (एफसीडब्ल्यू) और ऑटोमैटिक इमरजेंसी ब्रेकिंग (एईबी) जैसे सिस्टम संभावित टक्करों का पता लगा सकते हैं और ड्राइवर को चेतावनी दे सकते हैं या अपने आप ब्रेक लगा सकते हैं।

94%

गंभीर कार हादसे मानवीय भूल के कारण होते

- एनएचएआई के एक अध्ययन के अनुसार 94 फीसदी गंभीर कार दुर्घटनाएं मानवीय भूल के कारण होती हैं। इसे देखते हुए ही एडीएस को वाहनों में स्वचालित पहचान, नेविगेशन और बचाव सुविधाओं को एकीकृत करके विकसित किया गया है।

60% तक दुर्घटना की संभावना को कम कर सकता है

- प्रमुख कार निर्माता कंपनियों का दावा है कि एडीएस दुर्घटनाओं के जोखिम को 60 फीसदी तक कम कर सकता है। इसमें समाहित लेन डिपार्चर वार्निंग (एलडीडब्ल्यू) और लेन कीप असिस्ट (एलकेए) जैसे फीचर्स ड्राइवर को अपनी लेन में रहने में मदद करते हैं और कार को लेन से भटकने पर अलर्ट करते हैं। इसी तरह ब्लाइंड स्पॉट डिटेक्शन (बीएसडी) ब्लाइंड स्पॉट में मौजूद वाहनों का पता लगाकर ड्राइवर को सूचित करता है, जिससे लेन बदलते समय दुर्घटना का खतरा कम होता है।

लापरवाही का संकेत मिलते ही करता है अलर्ट

- एडीएस का एडैप्टिव क्रूज कंट्रोल (एसीसी) सामने वाले वाहन से सुरक्षित दूरी बनाए रखते हुए कार की गति को स्वचालित रूप से समायोजित करता है, इससे लंबी यात्राओं में ड्राइवर को थकान कम होती है, जबकि ड्राइवर अटेंशन वार्निंग सिस्टम ड्राइवर के व्यवहार को मॉनिटर करके थकान या लापरवाही के संकेत मिलने पर अलर्ट करता रहता है।

तंग जगह पर आसानी से हो जाती कार की पार्किंग

- ऑटोमैटिक पार्किंग फीचर तंग जगह में पार्किंग को आसान बनाता है। इसमें लगा ट्रैफिक साइन रिकग्निशन सड़क संकेतों को पहचानता है और ड्राइवर को गति सीमा जैसी महत्वपूर्ण जानकारी से अवगत कराता रहता है। हाई बीम असिस्ट सुविधा ट्रैफिक के आधार पर हाई और लो-बीम हेडलाइट्स के बीच स्वचालित रूप से स्विच करती रहती है।

जाम में कार खुद आगे बढ़ती ब्रेक लगाता और रुक जाती

- एडीएस के अंतर्गत ट्रैफिक जाम असिस्टेंस (टीजीए) एक उन्नत ड्राइवर सहायता प्रणाली है जो एडाप्टिव क्रूज कंट्रोल चालू होने पर आसपास के वाहनों की गति को लगातार मापती रहती है।

ट्रैफिक जाम असिस्टेंस चालू होने पर कार स्वचालित रूप से आगे वाले वाहन का अनुसरण करती है। यह अपने आप गति बढ़ाती और ब्रेक लगाती है, और जरूरत पर रुक जाती है। इसकी बुद्धिमान तकनीक लगातार आपके सामने वाले वाहन से निर्धारित दूरी बनाए रखती है और लेन के बीच में रहने के लिए स्वचालित रूप से स्टीयर भी करती है।

बुजुर्गों व नए कार चालकों के लिए विशेष उपयोगी तकनीक

एडीएस अलग-अलग सेंसर और कैमरों का इस्तेमाल करके सड़क पर ट्रैफिक घनत्व की परवाह किए बिना बहुत आरामदायक, चिंतामुक्त और सुरक्षित ड्राइविंग उपलब्ध कराता है। यह आपकी कार के आसपास के वातावरण को मॉनीटर करके ड्राइवर को चेतावनी देती है और दुर्घटना रोकने के लिए ऑटोमैटिक कार्रवाई करती है। एडीएस की यह खूबियां बुजुर्गों और उन नए ड्राइवरों के लिए विशेष रूप से उपयोगी हैं, जिन्हें विजिबिलिटी की थोड़ी दिक्कत है या जिनका रिएक्शन टाइम कम है।

- एडीएस बहुत फायदेमंद है, लेकिन भारत में इसे लेकर कुछ चुनौतियां भी हैं, जैसे एडीएस को ठीक से काम करने के लिए स्पष्ट सड़क चिह्नों और अच्छी तरह से बनाई गई सड़कों की आवश्यकता होती है। ऐसे में भारत में सड़कों की खराब स्थिति और चिह्नों में भिन्नता इसकी प्रभावशीलता को कम कर सकती है। तमाम ड्राइवरों को एडीएस सुविधाओं का उपयोग करने का तरीका नहीं पता होता है, जिससे वे पूरी तरह से लाभ नहीं उठा पाते हैं। एडीएस सिस्टम में शामिल सेंसर और कैमरे नाजुक होते हैं और क्षतिग्रस्त होने पर उनकी मरम्मत महंगी हो सकती है।

लेखक
शरद अग्निहोत्री
महाप्रबंधक
कुलदीप मोटर्स कानपुर

दुनिया के वाहन बाजार में भारत का डंका

भारत पांच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था का लक्ष्य हासिल कर सके, इसके लिए ऑटोमोबाइल सेक्टर अहम भूमिका निभा रहा है। वित्त वर्ष 2024-25 में जापान को पीछे छोड़कर भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा वाहन बाजार बन चुका है। इस दौरान देश में करीब सवा तीन करोड़ वाहनों का निर्माण किया गया। इनमें सभी प्रकार के यात्री वाहन, वाणिज्यिक वाहन, तिपहिया और दोपहिया वाहन शामिल रहे। ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री में अब भारत से आगे सिर्फ अमेरिका और चीन हैं।भारत की आटोमोबाइल इंडस्ट्री लगभग तीन करोड़ लोगों को रोजगार देती है।

सरकार की कमाई में भी इस इंडस्ट्री का अहम योगदान है। जीएसटी से होने वाली कुल आय का 15% हिस्सा ऑटो इंडस्ट्री से ही आता है। इसके अलावा, ऑटो इंडस्ट्री का कुल मार्केट साइज 20 से 22 लाख करोड़ रुपये का है, जो इसे भारत के सबसे बड़े उद्योगों में से एक बनाता है।

बीते वर्ष भारत से लगभग 57 लाख वाहन विदेशों में निर्यात किए गए, खासकर जापान, मैक्सिको और अफ्रीका के बाजार में। यह क्षेत्र भारत के कुल जीडीपी में करीब 7.1 प्रतिशत और विनिर्माण जीडीपी में 49 प्रतिशत का योगदान देता है, तथा देश के कुल निर्यात का लगभग 8 प्रतिशत हिस्सा बनाता है। भारतीय ऑटोमोबाइल उद्योग के 2030 तक 60 लाख यात्री वाहनों की बिक्री का अनुमान है, जिससे भारत वैश्विक ऑटोमोबाइल उद्योग के लिए एक महत्वपूर्ण केंद्र बन जाएगा।

वियतनाम की कार कंपनी विनफास्ट ने शुरू की बुकिंग

विदेशी इलेक्ट्रिक वाहन कंपनियां अब भारत के बाजार का रुख कर रही हैं। वियतनाम की कार कंपनी विनफास्ट ने अपने वीएफ6 और 7 मॉडल की बुकिंग शुरू कर दी है। कंपनी ने देश के 27 शहरों में शोरूम खोलने के लिए डीलर्स के साथ समझौते किए हैं। एलन मस्क की टेस्ला पहले ही भारत में आ चुकी है।टेस्ला ने भारत में फैक्टरी नहीं खोलने की निर्णय लिया है, इस कारण उसे आयातित मॉडल वाई पर शुल्क चुकाना पड़ रहा है, इससे भारत में कार की कीमत अमेरिका से करीब 77 फीसदी अधिक है। उधर, विनफास्ट अपनी कार की बुकिंग 21,000 रुपये में कर रही है। उसने अभी कार की कीमत का खुलासा नहीं किया है। कंपनी का दावा है कि वह अगले पांच साल में तमिलनाडु के तूतुक्कुडि संयंत्र में दो अरब डॉलर निवेश करेगी।इसी तरह शीर्ष ईवी निर्माता कंपनी बीवाईडी ने भारत में विनिर्माण में एक अरब डॉलर का निवेश करने का निश्चय किया था लेकिन खबरों के मुताबिक सरकार ने अभी इसकी इजाजत नहीं दी है।

सुबह की सैर, आसपास प्रकृति की खोज जंगली रास्तों तथा आउटडोर रोमांचक लोगों के लिए आकर्षक विकल्प

सेहत और पर्यावरण का पहिया बनी ई-साइकिल

देश में इलेक्ट्रिक वाहनों की बढ़ती संख्या के बीच इलेक्ट्रिक साइकिलें भी महत्वपूर्ण तरीके से अपनी जगह बना रही है। परंपरागत रूप से आवागमन के सर्वाधिक पुराने, विश्वसनीय, सुविधाजनक, सेहतमंद और पर्यावरण अनुकूल साधन के रूप में साइकिल की पहचान इसके इलेक्ट्रिक अवतार में भी बरकरार है। देश में इलेक्ट्रिक साइकिल बाजार तेजी से वृद्धि कर रहा है। जहां इस वर्ष बिक्री का आंकड़ा 50 लाख तो अगले साल 2026 में 60 लाख यूनिट इलेक्ट्रिक साइकिलों की बिक्री का अनुमान लगाया जा रहा है।

इलेक्ट्रिक साइकिल में बिजली का मोटर लगा होता है, जिसका उपयोग शक्ति प्रदान करने के लिए किया जाता है। ई-साइकिल में रिचार्जेबल बैटरी का इस्तेमाल होता है। आम तौर पर यह 25 से 33 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से चलाई जा सकती है। हालांकि कई उच्च शक्ति वाली ई साइकिलें 45 किमी प्रति घंटा या इससे भी ज्यादा गति से चल सकती हैं। ई-साइकिल के शौकीन युवाओं का कहना है कि यह न केवल यात्रा के लिए व्यावहारिक हैं, बल्कि सुबह की सैर और अपने आसपास प्रकृति की खोज करने का बेहतरीन तरीका हैं। साइकिल मार्केट में इनोवेशन की धूम दिखाई देती है। इससे न सिर्फ स्टाइल बदल रहा है, बल्कि कीमतें घटाने और सहूलियत बढ़ाने के साथ स्पोर्टी लुक पर भी जोर है। देश में इलेक्ट्रिक साइकिलें बनाने वाली प्रमुख कंपनियों में हीरो, बजाज, ओकिनावा, अथर एनर्जी, सिंपल एनर्जी, एम्प्री इलेक्ट्रिक, टीवीएस आईक्यूब, रिवोल्ट मोटर्स आदि शामिल हैं। सभी कंपनियों के पास इलेक्ट्रिक साइकिलों की विस्तृत श्रृंखला है।

काम की बात

बारिश में फिसलने और गिरने से ऐसे बच सकते

जो लोग बाइक और स्कूटर चलाते हैं, उनके लिए बारिश का महीना काफी चुनौतीपूर्ण होता है। फिसलन और कम विजिबिलिटी के साथ रोड एक्सिडेंट का खतरा हो सकता है। ऐसे में अपने दोपहिया वाहनों की टायरों की कंडीशन जांचें और सही एयर प्रेशर रखें। कम प्रेशर वाले टायर भी फिसल सकते हैं और ज्यादा प्रेशर वाले टायर सड़क पर कम संपर्क बनाते हैं। ब्रेक का सही इस्तेमाल करना और तेज बारिश में हेडलाइट्स चालू रखना भी जरूरी है। मॉनसून सीजन में टायरों की कंडीशन जांचना भी जरूरी है। टायरों में अच्छी ग्रिप, यानी ट्रेड डेप्थ सही होनी चाहिए। ट्रेड डेप्थ टायरों पर बनी गहरी नालियों को कहते हैं।

हर नए दोपहिया वाहन में होगा एबीएस

भारत में बिकने वाले हर नए दोपहिया वाहन में एंटी-लॉक ब्रेकिंग सिस्टम (एबीएस) होना ज़रूरी होगा, चाहे इंजन का आकार कुछ भी हो। इसके अलावा, डीलरशिप को प्रत्येक वाहन के साथ दो बीआईएस -प्रमाणित हेलमेट भी देने होंगे। एक बाइक चलाने वाले के लिए और दूसरा पीछे बैठने वाले के लिए। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने इस नए नियम को लागू करने के लिए केंद्रीय मोटर वाहन नियम, 1989 में महत्वपूर्ण बदलाव प्रस्तावित किए हैं।

फन और लग्जरी की धूम मचाने आ रही नई कारें

मॉनसून ऑफर की बौछार के साथ साल का बचा आधा हिस्सा कार खरीदारों के लिए ऐसे धमाकेदार और रोमांचक विकल्पों से भरा रहने वाला है, जिसमें हर बजट और पसंद के हिसाब से कुछ न कुछ नया होगा। प्रमुख कार कंपनियां और भारतीय ऑटोमोबाइल बाजार भी हर वर्ग के नए ग्राहकों को लुभाने की तैयारी में है। साल के अंत तक कई नई कारें, जिनमें इलेक्ट्रिक वाहन, फेसलिफ्ट मॉडल और नए वेरिएंट शामिल हैं, भारतीय सड़कों पर उतरने वाली हैं। ये गाड़ियां न सिर्फ ग्राहकों की जरूरत को नया आयाम देंगी, बल्कि भारतीय ऑटो उद्योग के भविष्य को भी नया आकार देंगी। इस तरह कहा जा सकता है कि चाहे आप फन टू ड्राइव हैचबेक की तलाश में हों या प्रैक्टिकल एमपीवी अथवा स्पेशल एडिशन चाहते हों, सबके लिए कुछ न कुछ उपलब्ध होगा।

सबसे बड़ी खबर इलेक्ट्रिक वाहन सेगमेंट से है। टाटा मोटर्स अपनी बहुप्रतीक्षित टाटा हैरियर ईवी और टाटा सियेरा ईवी लॉन्च करने जा रही है। ये दोनों कारें इलेक्ट्रिक एसयूवी बाजार में तहलका मचा सकती हैं। उधर किया भी अपनी किया कैरेंस ईवी और किया सारेस (एक कॉम्पैक्ट एसयूवी ईवी) के साथ इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को बढ़ावा देगी। महिंद्रा भी अपनी एक्सयूवी. ई8 और एक्सयूवी 3 एक्स 0 ईवी के साथ इस रेस में शामिल है। मारूति सुजुकी की पहली ऑल-इलेक्ट्रिक एसयूवी, मारूति सुजुकी ई-विटारा भी साल के अंत तक लॉन्च होने की उम्मीद है। यह कार भारतीय ईवी बाजार में एक बड़ा खिलाड़ी साबित होगी।

लग्जरी और परफॉरमेंस की नई उड़ान

प्रीमियम सेगमेंट में मर्सिडीज एएमजी जीटी कॉप और ऑडी क्यू6ई-ट्रान जैसी लग्जरी कारें भारतीय सड़कों पर अपनी छाप छोड़ने को तैयार हैं। स्कोडा अपनी आक्टेविया आरएस के साथ सेडान प्रेमियों को खुश करेगी।

एसयूवी का जलवा रहेगा जारी

एसयूवी सेगमेंट में नए मॉडल्स और अपडेटेड वेरिएंट की भरमार है। महेंद्रा न्यू बेलेरो और एमजी ग्लोस्टार फेसलिफ्ट बाजार में अपनी मजबूत उपस्थिति बनाए हैं। टाटा पंच फेसलिफ्ट और टाटा सफारी ईवी पाइपलाइन में हैं, जो अपने आधुनिक डिजाइन और फीचर्स के साथ ग्राहकों को आकर्षित करेंगी। टाटा अल्ट्रोज फेस लिफ्ट से जहां पर्दा उठ चुका है, वहीं हुंडई की पॉपुलर क्रेटा के इलेक्ट्रिक वर्जन की प्रतीक्षा इसी साल पूरी होने की उम्मीद है।

ये नए लॉन्च भी बनेंगे बाजार का हिस्सा

- रेनॉल्ट ट्राइबर फेस लिफ्ट और रेनॉल्ट न्यू किड नए अवतार में आने को तैयार हैं, तो रेनो डस्टर भी नए लुक में लॉन्च होने वाली है। स्कोडा कुशाक फेसलिफ्ट भी बेहतर फीचर्स के साथ दस्तक देगी। विनफास्ट वीएफ 6 और 7 जैसे मॉडलों के साथ भारतीय बाजार में प्रवेश कर रही हैं, जो प्रतिस्पर्धा को और बढ़ाएंगी।

- **41 लाख यूनिट पार हुआ बिक्री आंकड़ा :** भारतीय ऑटो उद्योग 2025 में मजबूत बिक्री वृद्धि का अनुमान लगा रहा है। बीते वित्त वर्ष 2025 में कारों की बिक्री का आंकड़ा 41.53 लाख यूनिट से अधिक रहा है। इसमें मारूति सुजुकी, महेंद्रा, किया और टोयोटा जैसी कंपनियों ने अच्छी वृद्धि दर्ज की है। इलेक्ट्रिक वाहन सेगमेंट में टाटा और महेंद्रा जैसे दबदबा जारी रहने की उम्मीद है।

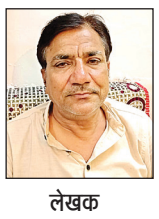

लेखक
परेश त्रिवेदी
आटो एक्सपर्ट